ICAR-CIFE Celebrates 66 Years of Excellence: "Innovate, Integrate and Impact" Sets the Roadmap for 2026-27

The ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai, celebrated its 66th Foundation Day on 6 June 2026 with great enthusiasm and pride, marking another milestone in its distinguished journey of excellence in fisheries education, research, extension and entrepreneurship. The celebrations were graced by ***Shri Saurabh Katiyar,*** IAS, District Collector and District Magistrate, Mumbai Suburban District, as the Chief Guest and brought together former Directors, Joint Directors, faculty, staff, students, alumni, farmers, entrepreneurs, industry representatives, policymakers, and stakeholders from across the country. Designed not merely as a commemorative event but as a forward-looking institutional exercise, the celebrations reflected the spirit of this year's theme, "Innovate, Integrate and Impact."

The Foundation Day programme commenced with the declaration of the annual theme "Innovate, Integrate and Impact" for 2026-2027 by ***Dr. N. P. Sahu,*** Director, ICAR-CIFE, who emphasized that innovation must ultimately translate into measurable societal and economic impact through effective integration of science, technology, policy, and stakeholder needs. He highlighted the Institute's scientific, academic and extension achievements during 2025-26 and acknowledged the invaluable contributions of former Directors, faculty members, staff, students, alumni, and stakeholders in strengthening ICAR-CIFE's national and international reputation. This was followed by the presentation of the Theme Implementation Guidelines and Roadmap for 2026–27 by ***Dr. K. N. Mohanta,*** Joint Director (Acting).

Addressing the gathering, ***Shri Saurabh Katiyar,*** IAS, congratulated ICAR-CIFE Parivar on completing 66 years of dedicated service to the fisheries sector and appreciated the Institute's contributions towards human resource development, technology generation, and aquaculture advancement. Recalling his association with the ICAR system, he recognized the significant impact created by ICAR-CIFE and assured support for future institutional initiatives, including infrastructure development and expansion projects.

A unique feature of this year's celebrations was the organization of a series of scientific and stakeholder engagement activities. On 5 June 2026, ICAR-CIFE organized a Stakeholder Consultation on *"Technology-Driven Sustainability in Aquaculture for Viksit Bharat 2047"*, bringing together representatives from academia, industry, government organizations, entrepreneurs and farmers to identify emerging challenges and future research priorities. The event also coincided with *World Environment Day*, during which tree plantation (Ek Ped Maa Ke Naam) activities were undertaken and an expert lecture on *"Ecosystem-Based Fisheries Management: An Ecopath Approach"* was delivered by Dr. Sachinandan Dutta, Sultan Qaboos University, Oman.

The innovative book on *"Learning from Mistakes",* a compilation of academic and research lessons learned by postgraduate fisheries students across India was released. This publication reflected ICAR-CIFE's commitment to knowledge sharing, continuous learning, and academic excellence. The *Technology Exhibition* showcased ICAR-CIFE's technologies, products, and research innovations for farmers, entrepreneurs, students, visitors, and stakeholders.

The Foundation Day programme also celebrated the achievements of the ICAR-CIFE community through the distribution of *sports awards, institutional awards, and endowment awards* recognizing excellence among students, faculty, and staff. *Alumni meet, sports events* and a *vibrant cultural programme* featuring performances by students, staff members, and family members added a festive and inclusive dimension to the celebrations, making the occasion truly memorable.

The Foundation Day celebrations extended beyond Mumbai and were simultaneously organized across ICAR-CIFE Centres at *Kolkata, Motipur, Rohtak, Powarkheda, Kakinada* and *Balabhadrapuram,* significantly expanding the outreach and impact of the event. Stakeholder meetings, farmer-scientist interactions, technology demonstrations, and extension programmes engaged more than 400 farmers, entrepreneurs, students, researchers and industry representatives. Discussions focused on quality seed and feed, disease management, climate-resilient aquaculture, inland saline aquaculture, artificial intelligence applications, entrepreneurship development, processing infrastructure, market linkages, and technology adoption.

The 66th Foundation Day of ICAR-CIFE thus emerged as much more than an anniversary celebration. It served as a strategic platform for reviewing institutional achievements, strengthening stakeholder partnerships, showcasing technologies, and charting a roadmap for the future. Guided by the theme "Innovate, Integrate and Impact," the Institute reaffirmed its commitment to excellence in fisheries education, stakeholder-oriented research, entrepreneurship promotion, sustainable aquaculture development, and technology-led growth.

आईसीएआर-सीआईएफई ने उत्कृष्टता के 66 वर्ष पूर्ण किए: "नवाचार, एकीकरण एवं प्रभाव" वर्ष 2026-27 की कार्यदिशा निर्धारित

आईसीएआर-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफई), मुंबई ने 6 जून 2026 को अपने 66वें स्थापना दिवस का उत्सव अत्यंत उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया। यह अवसर संस्थान की मात्स्यिकी शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार तथा उद्यमिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों की गौरवशाली यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। समारोह के ***मुख्य अतिथि श्री सौरभ कटियार,*** भा.प्र.से., जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी, मुंबई उपनगर जिला थे। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व निदेशकगण, संयुक्त निदेशकगण, संकाय सदस्य, वैज्ञानिक, कर्मचारी, छात्र, पूर्व छात्र, मत्स्य कृषक, उद्यमी, उद्योग प्रतिनिधि, नीति-निर्माता तथा देशभर से जुड़े विभिन्न हितधारक उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल एक स्मारक समारोह न होकर भविष्य की कार्ययोजना एवं संस्थागत दृष्टिकोण को दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ, जो वर्ष की थीम ***"नवाचार, एकीकरण एवं प्रभाव"*** की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के ***निदेशक डॉ. एन. पी. साहू*** द्वारा वर्ष 2026-27 की वार्षिक थीम "नवाचार, एकीकरण एवं प्रभाव" की घोषणा के साथ हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवाचार तभी सार्थक है जब उसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नीतियों एवं हितधारकों की आवश्यकताओं के साथ प्रभावी रूप से एकीकृत कर समाज एवं अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष प्रभाव उत्पन्न किया जाए। उन्होंने वर्ष 2025-26 के दौरान संस्थान की प्रमुख शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं विस्तार उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए पूर्व निदेशकों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों, पूर्व छात्रों एवं हितधारकों के योगदान की सराहना की। इसके पश्चात डॉ. ***के. एन. मोहंता, संयुक्त निदेशक (कार्यवाहक)*** द्वारा वर्ष 2026-27 हेतु थीम कार्यान्वयन दिशा-निर्देश एवं संस्थागत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई।

अपने मुख्य अतिथि उद्बोधन में ***श्री सौरभ कटियार,*** भा.प्र.से. ने आईसीएआर-सीआईएफई परिवार को मात्स्यिकी क्षेत्र में 66 वर्षों की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा मानव संसाधन विकास, प्रौद्योगिकी विकास एवं जलीय कृषि संवर्धन में संस्थान के योगदान की सराहना की। आईसीएआर प्रणाली से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा सृजित प्रभाव को रेखांकित किया तथा संस्थान की भावी अवसंरचनात्मक एवं विस्तार संबंधी पहलों को प्रशासनिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इस वर्ष के स्थापना दिवस समारोह की एक विशिष्ट विशेषता वैज्ञानिक एवं हितधारक सहभागिता गतिविधियों का आयोजन रही। 5 जून 2026 को "विकसित भारत 2047 के लिए प्रौद्योगिकी आधारित सतत जलीय कृषि" विषय पर हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिक्षाविदों, उद्योग जगत, सरकारी संगठनों, उद्यमियों तथा मत्स्य कृषकों ने भाग लेकर उभरती चुनौतियों एवं भविष्य की अनुसंधान प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया। इसी अवसर पर विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा डॉ. सचिनंदन दत्ता, सुल्तान काबूस विश्वविद्यालय, ओमान द्वारा "इकोसिस्टम-आधारित मत्स्य प्रबंधन: एक इकोपाथ दृष्टिकोण" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

समारोह के दौरान "लर्निंग फ्रॉम मिस्टेक्स" (त्रुटियों से सीख) शीर्षक से एक अभिनव पुस्तक का विमोचन किया गया, जिसमें देशभर के मात्स्यिकी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा अकादमिक एवं अनुसंधान कार्यों के दौरान प्राप्त अनुभवों एवं सीखों का संकलन प्रस्तुत किया गया है। यह प्रकाशन ज्ञान-साझेदारी, सतत अधिगम एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, संस्थान की प्रौद्योगिकियों, उत्पादों एवं अनुसंधान उपलब्धियों को प्रदर्शित करती प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया, जिसने कृषकों, उद्यमियों, विद्यार्थियों एवं अन्य आगंतुकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

स्थापना दिवस समारोह में छात्रों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान में खेल पुरस्कार, संस्थागत पुरस्कार तथा एंडोमेंट पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, पूर्व छात्र सम्मेलन, खेल प्रतियोगिताएँ तथा छात्रों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को उत्सवमय एवं स्मरणीय बना दिया।

मुंबई मुख्यालय के साथ-साथ संस्थान के कोलकाता, मोतीपुर, रोहतक, पवारखेड़ा, काकीनाडा एवं बालभद्रपुरम केन्द्रों में भी स्थापना दिवस समारोह आयोजित किए गए, जिससे कार्यक्रम का दायरा और प्रभाव व्यापक हुआ। विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित हितधारक बैठकों, किसान-वैज्ञानिक संवादों, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों एवं विस्तार कार्यक्रमों में 400 से अधिक कृषकों, उद्यमियों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चर्चाओं में गुणवत्तायुक्त बीज एवं आहार, रोग प्रबंधन, जलवायु-सहिष्णु जलीय कृषि, अंतर्देशीय लवणीय जलीय कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुप्रयोग, उद्यमिता विकास, प्रसंस्करण अवसंरचना, विपणन संपर्क तथा प्रौद्योगिकी अंगीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

इस प्रकार, आईसीएआर-सीआईएफई का 66वाँ स्थापना दिवस केवल एक वार्षिक उत्सव न होकर संस्थान की उपलब्धियों की समीक्षा, हितधारक सहभागिता को सुदृढ़ करने, प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन तथा भविष्य की कार्ययोजना निर्धारित करने का एक प्रभावी मंच सिद्ध हुआ। "नवाचार, एकीकरण एवं प्रभाव" की थीम से प्रेरित होकर संस्थान ने मात्स्यिकी शिक्षा में उत्कृष्टता, हितधारक-उन्मुख अनुसंधान, उद्यमिता संवर्धन, सतत जलीय कृषि विकास तथा प्रौद्योगिकी आधारित प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। यह आयोजन विकसित भारत 2047, ब्लू इकोनॉमी, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा तथा मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र में सतत आजीविका सृजन के राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति में संस्थान की अग्रणी भूमिका को भी रेखांकित करता है।

Foundation day activities at ICAR-CIFE, Mumbai

Ecosystem-Based Fisheries Management: An Ecopath Approach" by Dr. S. Dutta, SQ University, Oman

Tree plantation at ICAR-CIFE, Mumbai

Expert & Stakeholder Consultation at ICAR-CIFE, Mumbai

Alumni Meet at ICAR-CIFE, Mumbai

Release of Book on "Learning from Mistakes"

ICAR-CIFE technology exhibition

Institute Awards-2025

Best Fish Farmer Award-2025

Best Scientist Award-2025

Best Teacher Award-2025

Best Division Award-2025

Best Multi-Disciplinary Research Team Award-2025

Foundation day celebration at ICAR-CIFE regional centres

ICAR-CIFE, Powarkheda

ICAR-CIFE, Rohtak

ICAR-CIFE, Balabhadrapuram, Kakinada

ICAR-CIFE, Motipur

ICAR-CIFE, Kolkata